पुलिस-अपराधशास्त्री मिलकर अपराधों पर लगा सकते हैं लगाम

उदयपुर। सेंटर फॉर क्रिमिनोलॉजी एंड पब्लिक पॉलिसी के निर्देशक एवं मुख्य शोधकर्ता आर. रोचिन चंद्रा ने एक चौंका देने वाली पॉलिसी रिपोर्ट निकाली है जिससे यह निष्कर्ष निकला है कि जनता को अपराध से बेहतर सुरक्षा देने के लिए भारतीय पुलिस को ऐसे हुनर अपनाने की जरुरत है जो अन्य पुलिस कर्मचारियों के पास नहीं है। ये अद्वितीय कौशल पुलिस को एक अपराध शास्त्री के जरिये मिल सकता है, जिसकी रिसर्च मेथड्स और क्राइम डेटा एनालिसिस पर मजबूत पकड़ हो। ये पॉलिसी रिपोर्ट रोचिन द्वारा की गई एक राष्ट्रव्यापी अध्यन का हिस्सा है, जिसमें पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो से लेकर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के निर्देशकों के अलावा भारत सरकार के कई उच्च रैंकिंग आईपीएस ऑफिसर्स ने हिस्सा लिया। इस रिपोर्ट से पता चला है कि अपराध शास्त्रियों को विशेषयज्ञ के तौर पर भर्ती करने से भारतीय पुलिस, सीमित साधन (स्टाफ शार्टेज) में भी बेहतर और प्रभावशाली पब्लिक सेफ्टी और सिक्योरिटी दे सकती है। इस नीति से गत बदलाव से आपराधिक घटनाएं कम होगी और आम आदमी को अपराध से हो रहे शारीरिक, मानसिक एवं वित्तीय नुक्सान नहीं उठाने पड़ेंगे।

अपराध शास्त्री यूं करेंगे पुलिस की मदद

रोचिन ने बताया कि जिस तरह अपराध की प्रवृति तीव्रता से बदल रही है, उसी प्रकार हमारी पुलिस को भी सक्रिय (प्रोएक्टिव) रणनीतियां अपनानी होंगी जिससे अपराध को उसके होने से पहले ही रोका जा सके। इसके लिए पुलिस अफसरों को उनकी रेंज का क्राइम पैटर्न और क्राइम ट्रेंड समझना होगा।